स्किल इंडिया मिशन–सीएसआईआर का योगदान

डॉ. स्वाति चढ्ढा
सीएसआईआर–एनसीएल,पुणे

प्रस्तावना

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन की जरूरतों को पूरा करने के लिए रोजगार की आवश्यकता होती है और जब युवा वर्ग रोजगार की तलाश में जाता है तो बाजार अप्रशिक्षित कर्मचारी की बजाय प्रशिक्षित कर्मचारी की मांग करता है। आज के दौर में यह एक महती आवश्यकताओं में एक है कि युवा बाजार की जरूरतों के अनुरूप विविध प्रकार के कौशल ग्रहण कर बेहतर रोजगार पा सकें। बाजार की इसी जरूरत को समझते हुए हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने स्वप्न ''स्किल इंडिया'' को नई दिल्ली में ''राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन'' के रुप में शुरु किया। इस मिशन के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि ये सरकार की गरीबी के खिलाफ एक जंग है और भारत का प्रत्येक गरीब और वंचित युवा इस जंग का सिपाही है। इस योजना की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 जुलाई 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय युवा कौशल दिवस पर की।

प्रत्येक व्यक्ति के पास एक अद्वितीय कौशल होता है, हमें इस कौशल की पहचान करने के लिए एक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। कौशल निर्माण को व्यक्ति को सशक्त बनाने और उनकी सामाजिक स्वीकृति में सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में देखा जा सकता है।

''स्किल इंडिया मिशन'' चार अन्य योजनाओं–राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन, कौशल विकास और उद्यमिता के लिये राष्ट्रीय नीति, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और कौशल ऋण योजना को सम्मिलित करके शुरु की गयी है।

कुशल कार्यबल, भारत और वैश्विक स्थिति

विशेष ज्ञान निर्माण और संबद्ध कौशल विकास गतिविधि आर्थिक विकास की आवश्यक प्रेरक शक्ति हैं जिससे देश की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में वृद्धि होती है। भारत में 54 प्रतिशत लोग 25 वर्ष से कम उम्र के हैं, जो हमें दुनिया में सबसे कम उम्र वाले देश का ओहदा प्रदान करता हैं और इस युवा वर्ग के कारण हममें एक तेज गति से विकास करने की क्षमता है। लगभग 1.2 करोड़ लोग कार्यबल में प्रत्येक वर्ष अत्यधिक कुशल, अर्द्ध कुशल और अकुशल के तौर पर शामिल होते हैं। अगर आप विश्व में देखे तो इंग्लैंड, जापान और कोरिया जैसे देशों में कुशल श्रमिकों की कुल आबादी का क्रम क्रमशः 62%, 75% और 92% है, जबकि भारत में हमारी बड़ी आबादी के बावजूद उसकी कुल आबादी का सिर्फ 2% कुशल श्रमिक है। इस विषम आंकड़े को विभिन्न परिणाम उन्मुख गुणवत्ता कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से ठीक किए जाने की आवश्यकता है। नौकरी से संबंधित कौशल के बिना युवा रोजगार के अवसरों से लाभ नहीं उठा सकते हैं। भारत में 50 करोड़ लोगों का कौशल विकास करना एक बड़ी चुनौती है जो कि एक विशाल कार्य है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा हैं, ''यदि हमें अपने देश के विकास को बढ़ावा देना है तो हमारा मिशन ''कौशल विकास'' और ''कौशल भारत'' होना चाहिए। उद्योग की जरूरतों के अनुरूप देश में कौशल विकास की दिशा में पूरे शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के तेजी से पुनर्गठन की आवश्यकता है, जिससे विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जा सके। कौशल विकास के महत्व को महसूस करते हुए, कई मंत्रालयों/विभागों ने पूरे देश में कौशल विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का आयोजन करना शुरू कर दिया है। हालांकि, मानव संसाधन उत्पादन को सुदृढ़ करने में क्षमता निर्माण अभियान में क्षमता और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में अंतर है। अंतराल को भरने के लिए तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार ने इस पहलू पर

अलग–अलग विभाग के गठन को अधिसूचित किया है, जिसके परिणामस्वरूप देश में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का निर्माण हुआ।

स्किल इंडिया मिशन के उद्देश्य और मुख्य तथ्य

संपूर्ण देश के युवाओं को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 2022 तक प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से ''कुशल भारत– कौशल भारत'' योजना को आरंभ किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत के लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित करके उनकी कार्य क्षमता को बढ़ावा देना है। मुख्य रुप से कौशल विकास योजना का उद्देश्य भारत के युवाओं के कौशल के विकास के लिये उन क्षेत्रों में अवसर प्रदान करना है जो कई वर्षों से अविकसित हैं। इसके साथ ही साथ विकास करने के नये क्षेत्रों की पहचान करके उन्हें विकसित करने के प्रयास करना है। **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** के शब्दों में ''**कौशल विकास योजना, केवल जेब में रुपये भरना नहीं है, बल्कि गरीबों के जीवन को आत्मविश्वास से भरना है।**'' इस प्रकार इसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

- गरीबी के करण जो बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं उनके अन्दर छिपे कौशल को विकसित करना।
- योजनाबद्ध तरीके से गरीबों और गरीब नौजवानों को संगठित करके उनके कौशल को सही दिशा में प्रशिक्षित करके गरीबी का उन्मूलन करना।
- गरीबी को दूर करने के साथ–साथ गरीब लोगों, परिवारों तथा युवाओं में नया सामर्थ्य भर के आगे बढ़ने का आत्मविश्वास लाना तथा देश में नयी ऊर्जा लाने का प्रयास करना।
- सभी राज्यों और संघ राज्यों को संगठित करके आई.आई.टी. की इकाईयों के माध्यम से दुनिया में स्वयं को स्थापित करना।
- भारत की लगभग 65% जनसंख्या (जिनकी आयु 35 वर्ष से कम है) को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिये कौशल एवं अवसर प्रदान करना।
- देश के युवा और नौजवानों के लिये रोजगार उपलब्ध कराने के लिये उन्हें रोजगार के योग्य बनाने के लिये पूरी एक व्यवस्था के निर्माण को देश की प्राथमिकताओं में शामिल करना।
- आने वाले दशकों में पूरी दुनिया में कार्यकुशल जनसंख्या की आवश्यकता को पूरी करने के लिये विश्व के रोजगार बाजार का अध्ययन करके उसके अनुसार देश के युवाओं को प्रत्येक क्षेत्र में आज से ही कुशल बनाना।
- देश के युवा जिस कौशल को परंपरागत रुप से जानते हैं, उसके उस कौशल को और निखारकर व प्रशिक्षित करके उस व्यक्ति के कौशल को सरकार द्वारा मान्यता प्रदान करना।
- कौशल विकास के साथ उद्यमिता और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना।
- सभी तकनीकी संस्थाओं को विश्व में बदलती तकनीक के अनुसार गतिशील बनाना।

स्किल इंडिया मिशन के लक्ष्य और दिये जाने वाले प्रशिक्षण के प्रकार

कौशल भारत–कुशल भारत योजना का मुख्य लक्ष्य देश के गरीब व वंचित युवा है, जिनके पास हुनर तो है पर उसके लिये कोई संस्थागत प्रशिक्षण नहीं लिया है और न ही इसकी कोई मान्यता उनके पास होती है। युवाओं के इस हुनर को प्रशिक्षण द्वारा निखारकर बाजार योग्य बनाकर प्रमाण–पत्र देते हुये उनके लिए रोजगार का सृजन करना ही इस योजना का मुख्य लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने इस योजना की घोषणा के समय ही स्पष्ट किया था कि कौशल भारत–कुशल भारत योजना का लक्ष्य युवाओं में कौशल के विकास के साथ–साथ उनका मूल्य संवर्धन करना है।

इस योजना का लक्ष्य भारत में तकनीकी शिक्षण प्रक्रिया में सुधार ला कर उसे विश्व मांग के अनुरुप ढालना हैं। इस योजना की घोषणा के समय प्रधानमंत्री ने भाषण देते हुये कहा था कि भारत में परंपरागत शिक्षा पाठ्यक्रम प्रचलन में है जिससे कि हम विश्व में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के साथ अपने आप को गतिशील नहीं बना पाये हैं और आज भी बेरोजगारी हैं। इसके लिये आवश्यक है कि हम अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम में विश्व मांग के अनुसार बदलाव लायें। आने वाले दशकों में किस तरह के कौशल की माँग सबसे अधिक की जायेगी उसका अध्ययन करके अपने देश में उस अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार यदि युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे तो भारत के युवाओं को रोजगार के सबसे अधिक अवसर मिलेंगे। इस तरह कौशल भारत –कुशल भारत एक आन्दोलन है, न कि सिर्फ एक कार्यक्रम।

विशेष कार्यक्रम को पूरा करने वाले युवाओं को मंत्रालय द्वारा प्रमाण–पत्र दिया जायेगा। एक बार प्रमाण पत्र मिलने के बाद इस सभी सरकारी व निजी, यहाँ तक कि विदेशी संगठनों, संस्थाओं और उद्यमों द्वारा भी वैध माना जायेगा। प्रशिक्षण देने के लिये विभिन्न श्रेणियों को लियागया है; जैसे : वे बच्चे जिन्होंने स्कूल या कॉलेज छोड़ दिया है, और कुछ बहुत अधिक प्रतिभाशाली लड़के और लड़कियाँ आदि। इसके साथ ही गाँव के वे लोग जो हस्तशिल्प, कृषि, बागवानी आदि का परंपरागत कौशल रखते हैं, उनकी आय को अधिक करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कौशल भारत–कुशल भारत सम्पूर्ण राष्ट्र का कार्यक्रम है।

मिशन के लाभ

कौशल भारत मिशन को अन्तर्गत मोदी स्रकार ने गरीब व वंचित युवाओं को प्रशिक्षित करके बेरोजगारी की समस्या और गरीबी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। इस मिशन का उद्देश्य उचित प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास को लाना है जिससे कि उनकी उत्पादकता में वृद्धि हो सके। इस योजना के माध्यम से सरकारी, निजी और गैर–सरकारी संस्थानों के साथ साथ शैक्षिक संस्थाएं भी सम्मिलित होकर कार्य करेंगी। रोजगारपूर्वक कौशल विकास का यह महा अभियान–प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना– एक साथ 101 शहरों में शुरु किया है। इस मिशन के कुछ मुख्य लाभ निम्नलिखित हैः–

- कौशल विकास योजना के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करके भारत में बेरोजगारी की समस्या के निवारण में सहायता।
- उत्पादकता में वृद्धि।
- भारत से गरीबी खत्म करने में सहायक।
- भारतीयों में छिपी हुई योग्यता को बढ़ावा देने में सहायक।
- राष्ट्रीय आय के साथ–साथ प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि।
- लोगों की जीवन निर्वाह आय में वृद्धि।
- भारतीयों के जीवन स्तर में सुधार।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में अपने अग्रणी अनुसंधान एवं विकास ज्ञानाधार के लिए यह एक जाना–माना अनुसंधान एवं विकास संबंधी संगठन है जो वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के नाम से जाना जाता है। संपूर्ण भारत में मौजूदगी के चलते सीएसआईआर का 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 दूरस्थ केन्द्रों, 3 नवोन्मेषी कॉम्प्लेक्सों और 5 यूनिटों का सक्रिय नेटवर्क है। सीएसआईआर की अनुसंधान एवं विकास सुविज्ञता तथा अनुभव इसके लगभग 4600 सक्रिय वैज्ञानिकों में सन्निहित/समाविष्ट हैं जिन्हें लगभग 8000 वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्मिकों की सहायता प्राप्त है।

सीएसआईआर रेडियो और अंतरिक्ष भौतिकी, म हासागर विज्ञान, भूभौतिकी, रसायन, औषध, जीनोमिकी, जैवप्रौद्योगिकी और नैनोप्रौद्योगिकी से खनन, वैमानिकी, उपकरणन, पर्यावरणीय इंजीनियरी तथा सूचना प्रौद्योगिकी तक के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यापक विषयों व क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। यह सामाजिक प्रयासों से जुड़े अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकीय अंतराक्षेपण उपलब्ध कराता है जिसमें पर्यावरण,स्वास्थ्य, पेयजल, खाद्य, आवास, ऊर्जा, कृषि एवं गैर–कृषि क्षेत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानव संसाधन विकास में सीएसआईआर की भूमिका उल्लेखनीय है।

भारत के बौद्धिक संपदा आंदोलन का पथ प्रदर्शक सीएसआईआर वर्तमान में प्रौद्योगिकी के चयनित क्षेत्रों में देश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व दिलवाने के लिए अपने पेटेंट पोर्टफोलियो को सुदृढ़ कर रहा है। सीएसआईआर प्रतिवर्ष औसतन लगभग 200 भारतीय पेटेंट और 250 विदेशी पेटेंट फाइल करता है। सीएसआईआर के लगभग 14: पेटेंटों को लाइसेंस प्राप्त है, यह संख्या वैश्विक औसत से अधिक है। विश्व में सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित अपने अग्रणी अनुसंधान संगठनों में सीएसआईआर विश्वभर में पेटेंट फाइल और अर्जित करने में सबसे आगे है।

सीएसआईआर ने नवीन विज्ञान और उन्नत ज्ञान के क्षेत्रों में अग्रणी कार्य किया है। सीएसआईआर का वैज्ञानिक स्टाफ भारत की वैज्ञानिक जनशक्ति का लगभग 3–4 प्रतिशत है किंतु भारत के वैज्ञानिक निर्गत में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2012 में सीएसआईआर ने प्रति शोधपत्र 2.673 के औसत प्रभाव घटक सहित साइंस जर्नलों में 5007 शोधपत्र प्रकाशित किए। वर्ष 2013 में सीएसआईआर ने प्रति शोधपत्र 2.868 के औसत प्रभाव घटक सहित साइंस जर्नलों में 5086 शोधपत्र प्रकाशित किए। शिमागो इंस्टिट्यूशन्स रैंकिंग वर्ल्ड रिपोर्ट 2014 के अनुसार विश्वभर के 4851 संस्थानों में सीएसआईआर का स्थान 84 वां है और यह शीर्ष 100 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में अकेला भारतीय संगठन है। एशिया में सीएसआईआर 17वें और देश में पहले स्थान पर है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री माननीय डॉ. हर्षवर्धन जी ने सीएसआईआर को कुशल भारत और स्टैंड अप इंडिया जैसे उद्योग संवर्द्धन कार्यक्रमों में अनूठा योगदान करने वाला संगठन बताया है।

सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल नीति–पैन सीएसआईआर

कौशल पहल के प्रति सीएसआईआर की नीति ''राष्ट्रीय कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में उच्च अंत कौशल प्रदाता'' पर केंद्रित है। सीएसआईआर का मुख्य उद्देश्य ''न केवल अनुसंधान और विकास के संबंध में बल्कि आम तौर पर औद्योगिक मामलों के लिए जानकारी का संग्रह और प्रसार करना'' है। सीएसआईआर की कई प्रयोगशालाएं उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण/कौशल कार्यक्रमों का संचालन करने में लगी हुई हैं, जो उपयोगकर्ताओं द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किए गए हैं। सीएसआईआर ने अपने प्लैटिनम जयंती वर्ष (2016) में एक प्रमुख कार्यक्रम शुरू किया–सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल, जिसमें सीएसआईआर की विविध प्रयोगशालाओं में विभिन्न स्तरों पर विभिन्न कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। पहले चरण में सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल कार्यक्रम 23 सितंबर, 2016 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री श्री हर्षवर्धन जी द्वारा शुरू किया गया था, जो औद्योगिक/सेवा क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करता है।

सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल नीति–अभिप्राय और उद्देश्य
इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि

1. उच्च अंत डिप्लोमा कार्यक्रमों में से कुछ को ए –सीएसआईआर से जोड़कर राष्ट्रीय एजेंडे की ओर समग्र रूप से सीएसआईआर कौशल/प्रशिक्षण पहल को एकीकृत करना।

2. विभिन्न राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क स्तर पर विविध क्षेत्रों (1–11 महीने की अवधि) में प्रशिक्षण के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वर्तमान और उभरती हुई उद्योग की आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक उच्च गुणवत्ता वाले कुशल श्रमिकों का विकास करना।

3. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के साथ मिलकर कौशल विकास और तकनीकी कौशल के प्रति राष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के साथ सीएसआईआर की विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिए एक प्रमाणित प्रतिभा पूल बनाना।

4. कौशल (Skilling), प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और इंकुबेशन की सुविधा के माध्यम से सीएसआईआर में उद्यमिता (Entrepreneurship)/टेक्नोप्रेनरशिप (Technopreneurship) को बढ़ावा देना

कौशल विकास में सीएसआईआर का योगदान

1. सीएसआईआर ने सीएसआईआर @ 800 दूरदृष्टि एवं रणनीति 2022–नए भारत के लिए नया सीएसआईआर तैयजी किया है। सीएसआईआर का मिशन है ''नए भारत के लिए नए सीएसआईआर का निर्माण करना'' और सीएसआईआर का विजन है ''ऐसा विज्ञान करना जो वैश्विक प्रभाव के लिए प्रयास करे, ऐसी प्रौद्योगिकी तैयार करना जो नवोन्मेष आधारित उद्योग को सक्षम बनाए और पराविषयी नेतृत्व को पोषित करे जिसके द्वारा भारत की जनता के लिए समावेशी आर्थिक विकास को उत्प्रेरित किया जा सके।

2. सीएसआईआर ने उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के लिए वांछित क्रियाविधि तैयार की है जिससे नए आर्थिक क्षेत्रों के विकास को नया आधार बनाते हुए मूल और बृहत नवोन्मेषों के सृजन और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहन दिया जा सकेगा।

3. सीएसआईआर की समस्त प्रयोगशालाओं/संस्थानों द्वारा प्रतिवर्ष मानव संसाधन तैयार करके कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

4. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन जी द्वारा लांच किए गए सीएसआईआर के एकीकृत कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सीएसआईआर कई क्षेत्रों में अलग–अलग अवधि के 30 एकीकृत कौशल विकास कार्यक्रम लांच किये जाने का लक्ष्य है। कार्यक्रमों की संख्या अगले वर्षों में बढ़ा कर 75 की जाएगी। ये सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम एक दूसरे से जुड़े हैं, उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप हैं, इसलिए छोटे उद्यमों सहित रोजगार के अवसर होंगे।

5. हाल ही में सीएसआईआर की भोपाल स्थि त प्रयोगशाला एम्प्री में ग्लोबल स्किल पार्क का उद्घाटन किया गया। सिंगापुर के तकनीकी सहयोग से बनने वाले इस पार्क का शिलान्यास केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री श्री राजीव प्रताप रूडी एवं म. प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। इसके द्वारा प्रतिवर्ष 1000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करके स्किल इंडिया मिशन में को आगे बढाने का लक्ष्य है। इसमें

प्रशिक्षित विद्यार्थियों का प्लेसमेंट भारत एवं भारत के बाहर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा साथ ही देश भर के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों कोअंतर्राष्ट्रीय स्तर की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

6. सीएसआईआर–राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (CSIR & NCL), पुणे ज्ञान और विज्ञान पर आधारित अनुसंधान, विकास और परामर्श विषयक गतिविधियों में कार्यरत संगठन है तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के नेतृत्व में आने वाली भारत की प्रमुख रासायनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं में से एक है। सीएसआईआर–एनसीएल ने भारत सरकार के विशेष मिशन "Skill India" को कार्यन्वित करना प्रारंभ कर दिया है और औद्योगिक स्टाफ और कर्मचारियों के अलावा स्नातक व स्नातकोत्तर बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास व कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम की पेशकश करके सीएसआईआर के एकीकृत कौशल उपक्रम कार्यक्रम को प्रारंभ कर दिया है। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न राष्ट्रीय कौशल योग्यता पर आधारित प्रशिक्षण/कौशल के माध्यम से विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौजूदा और उभरते हुए उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले कुशल जनबल का निर्माण करना है। साथ ही इसका उद्देश्य प्रशिक्षकों और Incubation centre के प्रशिक्षण व कौशल के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है।

7. सीएसआईआर–एनसीएल द्वारा वर्ष 2018–2019 के दौरान 17 कौशल/प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को आरंभ किया गया है:–

इस प्रकार सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम में सीएसआईआर की महत्वपूर्ण भागीदारी है, जो निश्चित ही हमारे देश को प्रगति की राह में ले जाने और भारत के भविष्य की एक नई तस्वीर बनाने में सहायक होगी।

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

महात्मा गांधी